SET-3

Series GBM

कोड नं. **29/3**

Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *15*

पतझड़ ऋतु आने पर जेल के हमारे आँगन में नीम के पेड़ से पत्तों के गिरने पर मन में कभी-कभी चिंता होने लगती है कि यह पेड़ का काल आया है या उसका केवल कायापलट हो रहा है ? यों तो पत्तों को गिरते देख कर मन में विषाद का भाव उत्पन्न होना चाहिए, किंतु ऐसा बिलकुल नहीं होता, उलटा मज़ा आता है – पत्ते इतने झड़ते हैं मानो टिड्डी दल फैल गया हो, मालूम होता है पत्तों को कितने ही गोल-गोल चक्कर काटने पड़ते हैं उन्हें नीचे उतरने की थोड़ी भी जल्दी नहीं होती ।

और फिर गिरने के बाद क्या वे चुपचाप पड़े रहेंगे ? नहीं, कदापि नहीं । छोटे बच्चे जिस प्रकार दौड़ने का और एक-दूसरे को पकड़ने का खेल खेलते हैं, उसी प्रकार ये पत्ते भी इधर से उधर और उधर से इधर गोल-गोल चक्कर काटते रहते हैं । हवा के झोंकों के साथ ये हँसते-कूदते मेरी ओर दौड़े आते हैं । मुझे लगता है कि इन पत्तों को थोड़ी देर बाद पेड़ से फूटने वाली कोंपलों को झटपट जगह दे देने की ही अधिक जल्दी होती होगी । साँप जिस प्रकार अपनी केंचुली उतारकर फिर से जवान बनता है, उसी प्रकार पुराने पत्ते त्याग कर पेड़ भी वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए फिर से जवान बनने की तैयारी करता होगा । इसीलिए यह कहने का मन नहीं होता कि ये पत्ते टूटते हैं या गिरते हैं । ये पत्ते तो छूट जाते हैं । हाथ में पकड़ रखा हुआ कोई पक्षी जैसे पकड़ कुछ ढीली होते ही चकमा देकर उड़ जाता है, उसी प्रकार ये पत्ते तेज़ी से छूट जाते हैं । यह विचार भी मन में आता है कि ये पत्ते गिरने वाले तो हैं ही, तो फिर सबके सब एक साथ क्यों नहीं गिरते । पर्णहीन वृक्ष की मुक्त शोभा तो देखने को मिलेगी । जिस पेड़ पर एक भी पत्ता नहीं रहा और अँगुलियाँ टेढ़ी-मेढ़ी करके जो पागल के समान खड़ा है और जो आकाश के पर्दे पर कालीन के चित्र के समान मालूम हो रहा है, उसकी शोभा कभी-कभी आपने ध्यान देकर निहारी है ? पर्णहीन टहनियों की जाली सचमुच ही बहुत सुन्दर दिखाई देती है ।

(क) पेड़ से पत्तों का झड़ना-गिरना देखकर लेखक ने क्या सोचा और क्यों ? *2*

(ख) पत्तों की तुलना टिड्डी दल से क्यों की गई है ? *2*

(ग) हवा के झोंके से पत्तों पर क्या प्रभाव पड़ा और लेखक ने उसकी तुलना किससे की है ? *2*

(घ) पत्तों के टूटने को लेखक ने छूटने की संज्ञा क्यों दी है ? उसकी तुलना किससे की है ? *2*

(ङ) लेखक के स्वभाव में उतावलापन है – यह किस प्रकार पता चला ? *2*

(च) साँप के उदाहरण से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है ? *2*

(छ) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए । *2*

(ज) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

कम देकर, ज़्यादा पाने की आदत बहुत बुरी है;
तन का पूरा पड़ भी जाए, मन रीता रहता है !
कभी न चुकने वाला ऋण है, जीना बहुत कठिन है;
यों मरने तक हर जीने वाला जीता रहता है !
आते हैं फल उन वृक्षों पर जो न उन्हें खाते हैं;
छाँह जहाँ मिलती औरों को छत्र वहाँ छाते हैं;
गाते हैं जो गीत, कभी अपने न गीत गाते हैं
हेम-हिमावत कब अपने हित हिम-आतप सहता है !

(क) किस आदत को बुरा कहा गया है ? क्यों ? *1*

(ख) 'तन का पूरा पड़ भी जाए, पर मन रीता रहता है' – काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए । *1*

(ग) प्रस्तुत कविता से क्या संदेश मिलता है ? *1*

(घ) वृक्ष मनुष्य के लिए क्या-क्या करते हैं ? किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए । *1*

(ङ) जीवन को कैसा ऋण कहा गया है ? क्यों ? *1*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *10*

(क) महँगाई के कारण जीवन में असंतोष

(ख) कम्प्यूटर : जीवन की अनिवार्यता

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में लड़कियों के बढ़ते क़दम

(घ) विद्यार्थी-जीवन

4. आप अपने विद्यालय में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में एक कवि सम्मेलन करना चाहते हैं । इसके लिए आपको क्या-क्या सुविधाएँ चाहिए, उनका उल्लेख करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र द्वारा सूचना दीजिए । *5*

अथवा

महिलाओं के विरुद्ध बढ़ रहे विविध अपराधों की चर्चा करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और समाधान भी सुझाइए ।

5. "बाढ़ से जूझते गाँव" विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : *1×5=5*

(क) ऐंकर-बाइट से क्या तात्पर्य है ?

(ख) इंटरनेट का प्रचलन आजकल क्यों अधिक हो रहा है ?

(ग) पीत पत्रकारिता से क्या तात्पर्य है ?

(घ) रेडियो-समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

(ङ) पत्रकारीय लेखन क्या होता है ?

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को ।
कहि कहि आवन छबीले मनभावन को,
गहि गहि राखति ही दै दै सनमान को ।।
झूठि बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब ना घिरत घन आनँद निदान को ।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान,
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को ।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *3+3=6*

(क) "वह दीप अकेला है, पर इसको भी पंक्ति को दे दो" – अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि क्या व्यष्टि का समष्टि में विलय होना संभव है । क्यों ?

(ख) 'बारहमासा' के आधार पर फागुन मास की विशेषताओं और नायिका पर उसके प्रभाव का वर्णन कीजिए ।

(ग) 'मेरी करुणा हा-हा खाती' इस उद्गार के आलोक में देवसेना की वेदना को समझाइए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4+4=8*

(क) 'व्यापार यहाँ भी था ।' – 'दूसरा देवदास' पाठ के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) जलालगढ़ लौटने के बाद बड़ी बहुरिया के सामने हरगोबिन ने क्या संकल्प किया और क्यों ?

(ग) "धर्म का रहस्य जानना सिर्फ़ धर्माचार्यों का काम नहीं । कोई भी व्यक्ति अपने स्तर पर उस रहस्य को जानने का हक़दार है, अपनी राय दे सकता है ।" टिप्पणी कीजिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है । वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है । रूप व्यक्ति-सत्य, नाम समाज-सत्य । नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है । आधुनिक शिक्षित लोग जिसे 'सोशल सैंक्शन' कहा करते हैं । मेरा मन नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि-मानव की चित्त-गंगा में स्नात ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** काव्यांशों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : *3+3=6*

(क) सुनते हैं मिट्टी में रस है जिसमें उगती दूब है
अपने मन के मैदानों पर व्यापी कैसी ऊब है ।

(ख) हेम कुंभ ले उषा सवेरे भरती ढुलकाती सुख मेरे ।
मदिर ऊँघते रहते जब-जगकर रजनी भर तारा ।।

(ग) जे पय प्याइ पोखि कर-पंकज वार वार चुचुकारे ।
क्यों जीवहिं, मेरे राम लाडिले ! ते अब निपट बिसारे ।।
भरत सौगुनी सार करत हैं अति प्रिय जानि तिहारे ।
तदपि दिनहिं दिन होत झाँवरे मनहुँ कमल हिम मारे ।।

12. रामचंद्र शुक्ल **अथवा** निर्मल वर्मा के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए । *6*

अथवा

मलिक मुहम्मद जायसी **अथवा** जयशंकर प्रसाद के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी दो प्रमुख काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

13. "तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे" सूरदास के इस कथन के आलोक में जीवन-मूल्य के रूप में सकारात्मक दृष्टिकोण के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त कीजिए । *5*

14. (क) 'अपना मालवा' पाठ के आधार पर लिखिए कि आज की सभ्यता नदियों को पानी के गंदे नाले कैसे बना रही है । नदियों के जल को स्वच्छ रखने के लिए आपका क्या योगदान हो सकता है ? *5*

(ख) "बिस्कोहर की माटी" पाठ में लेखक ने बरसात का जो वर्णन किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए । *5*